Reg. No. | | | | | | | | | |

HNH 453

II Semester M.A. Degree Examination, September/October 2022
HINDI (Hard Core)
Chayavaad and Chayavaadottar Hindi Kavya
(छायावाद और छायावादोत्तर हिन्दी काव्य)

Time : 3 Hours | Max. Marks : 70

I. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **(2×5=10)**

i) उस असीम का सुन्दर मन्दिर मेरा लघुतम जीवन रे ।
मेरी श्वासें करती रहतीं नित प्रिय का अभिनन्दन रे ।

अथवा

प्रथम रश्मि का आना रांगिणि,
तूने कैसे पहचाना ?
कहाँ-कहाँ हे बाल-विहंगिनि ।
पाया, तूने यह गाना ?

ii) सुनकर दहाड़
स्वाधीन स्वाभिमानी सुशिक्षक प्रेत की
रह गए निरुत्तर
महामहिम नर्केश्वर ।

अथवा

किन्तु हम हैं द्वीप ।
हम धारा नहीं हैं ।
स्थिर समर्पण है हमारा । हम सदा से द्वीप हैं स्रोतस्विनी के
किन्तु हम बहते नहीं हैं । क्योंकि बहना रेत होना है ।

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (किन्हीं **चार**) : **(4×15=60)**

i) 'वह तोड़ती पत्थर' कविता में कवि ने मुख्यत: किसका वर्णन किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

ii) 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से' कविता का प्रतिपाद्य बताते हुए उसकी काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

iii) 'पूंजीवादी समाज के प्रति' कविता का सारांश लिखिए ।

iv) 'अकाल और उसके बाद' कविता में व्यक्त ग्रामीण समस्याओं पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

v) 'टूटा पहिया' कविता की वर्तमान समय में क्या प्रासंगिकता है ? उदाहरण सहित समझाइए ।

vi) 'मेड़ पर इस खेत में बैठा अकेला' कविता में निहित काव्यसौन्दर्य को प्रतिपादित कीजिए ।